

टोंक पहुंचे सचिन, जनता को संबोधित करते समय भावुक हो गए

समर्थकों ने पायलट का शानदार स्वागत किया और जमकर नारे लगाए

टोंक, 4 दिसम्बर (निर्स)। राजस्थान विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट चुनाव जीतने के बाद पहली बार टोंक पहुंचे, जहां सीधे सबसे पहले वे घंटाघर स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंचे जहां उन्होंने उपखंड अधिकारी कपिल शर्मा से मुलाकात की और शर्मा ने जीते हुए उम्मीदवार सचिन पायलट को निर्वाचन पत्र सौंपा।

■ **पायलट ने कहा हार क्यों हुई यह भूलकर लोकसभा चुनाव के लिए पूरे जोश के साथ आगे बढ़ना है।**

वहां से पायलट सीधे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय पहुंचकर सभी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया और अपनी जीत को जनता को सौंपा और कहा कि क्षेत्र की जनता ने मुझ पर भरोसा कर बहुमत से जिताकर एक बार फिर से सेवा का जो अवसर दिया है, मैं इसके लिए जनता को धन्यवाद देना चाहता हूँ। पायलट ने कहा कि इस जीत को मैं टोंक विधानसभा क्षेत्रवासियों को अर्पित करते हुए विश्वास दिलाता हूँ कि क्षेत्र के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा और जनता के बीच रहकर पूरे 5 साल विकास कार्य के निरन्तर प्रयास करता रहूंगा।

जिसके बाद कांग्रेस कमेटी के मतदाताओं को आभार व्यक्त करते हुए जिले भर से आये कांग्रेसजनों को सम्बोधित करते हुए पायलट एक बार भावुक नजर आये। वहीं जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने भी भावुक के दौरान जनता का धन्यवाद दिया और खुद भी भावुक हो गये, आगे उन्होंने कहा कि आने वाले चुनावों के लिए हमें तैयारी करनी होगी, संगठन को साथ लेकर



सचिन पायलट टोंक में समर्थकों से मिलते हुए।

जिले में कांग्रेस की मजबूत स्थिति लाने का प्रयास किया जायेगा। आने वाले समय में चारों विधानसभा सीटों में कांग्रेस की सीटें लाने का प्रयास करेंगे। उनके नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने इस अवसर पर 51 किलो की फूलों की माला पहनाकर अपने विधायक पायलट का नारों के साथ जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर पायलट ने कांग्रेस पार्टी द्वारा हार के कारणों की समीक्षा करने की भी बात कही कहा और आने वाले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को मजबूती से सामना करना होगा, कैसे हारे, क्यों हारे, इस बात को

जल्द ही भूलकर आगे आने वाले चुनावों में सभी को मिलकर कार्य करना है। प्रेस वार्ता के दौरान पायलट ने कहा कि तीन राज्यों में कांग्रेस को आज जो हार का सामना करना पड़ा है, लेकिन हार कम ही मार्जिन से दर्ज हुई है, 2013 में जब मैं प्रदेश अध्यक्ष था, तो कांग्रेस 21 सीटों पर ही सिमट गई थी, आज हमारे पास तीन गुना से ज्यादा सीटें हैं, हारे क्यों, इस बात का अभी विश्लेषण किया जाएगा और जल्द ही लोकसभा चुनाव आने वाले हैं उसी की तैयारी में जी जान से जुटना है, और भाजपा को हराकर बदला लेना है।

क्या रैवन्त रेड्डी होंगे तेलंगाना में कांग्रेस के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खबर आई की शपथ ग्रहण समारोह अगले दिन तक के लिए टाल दिया गया क्योंकि कांग्रेस आलाकमान सरकार गठन के बारे में चर्चा करना चाहता है। अब शपथ ग्रहण समारोह मंगलवार को होगा। दिल्ली से और कांग्रेस के सूत्रों से पता चला है कि कांग्रेस आलाकमान ने रैवन्त रेड्डी के नाम पर सैद्धांतिक स्वीकृति दे दी है क्योंकि अधिकांश विधायक रैवन्त को अपना मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं। लेकिन अभी तक आलाकमान की तरफ से औपचारिक घोषणा नहीं हुई है।

निश्चित रूप से रैवन्त रेड्डी सबसे आगे हैं पर अन्य दावेदार भी हैं जिसमें तेलंगाना कांग्रेस के पूर्व प्रमुख उत्तम कुमार रेड्डी, वरिष्ठ नेता मुल्ला भट्टी विक्रमाकां, रैवन्त रेड्डी ने पूरा दिन होल में विधायकों से चर्चा की। विधायक रात में भी यहीं रहे थे। इस समय दिल्ली पार्टी की मीटिंग चल रही है जिसमें मध्य प्रदेश राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार पर मंथन

व तेलंगाना में सरकार गठन पर चर्चा की गई। आज शाम के समय रैवन्त रेड्डी को मुख्यमंत्री व भट्टी विक्रमाकां को उपमुख्यमंत्री व दो मंत्रियों को रात आठ बजे शपथ दिलाने की घोषणा स्थानीय नेताओं द्वारा की गई थी पर भट्टी ने जोर दिया या तो वे अकेले उपमुख्यमंत्री बनेंगे या फिर उन्हें यह पद नहीं चाहिए। वे मुख्यमंत्री के पद की पेशकश नहीं किए जाने से नाराज थे। यह स्थिति उत्तम कुमार रेड्डी की थी। उन्होंने कहा अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाता है तो उनकी पत्नी को मंत्री बना दिया जाए। पर बाद में सारी कवायद रोक दी गई। अब उम्मीद है कि कल शपथ ग्रहण होगा। दिल्ली में कांग्रेसी सूत्रों के अनुसार नेतृत्व रैवन्त रेड्डी के नाम पर सहमत है जिन्होंने पार्टी को खड़ा किया है, पर अक्सर मंजिल मिलते-मिलते दूर हो जाती है। कांग्रेस आलाकमान पर दबाव है कि जल्दबाजी में फैसला ना करे क्योंकि भाजपा और बी.आर.एस. आंखे गड़ाए बैठे हैं कि कोई मौका मिले और वे उसे लपक लें।

कांग्रेस की हार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वोटिंग पैटर्न और नतीजों में एक स्पष्ट रुझान मिला कि भाजपा व कांग्रेस के बीच मतों का स्पष्ट ध्रुवीकरण हुआ। कांग्रेस भले ही इस चुनाव में हार गई है पर पार्टी ने अपनी संगठन क्षमता और प्रतिबंध जनाधार प्रदर्शित किया है।

भाजपा के राष्ट्रीय विकल्प के रूप में कांग्रेस अगर क्षेत्रीय दलों के साथ समझौते करती है तो इसकी ही ताकत कम होगी। भविष्य को देखते हुए कांग्रेस को इन क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ानी होगी। इसके लिए पार्टी को ऐसे नेता चुनने होंगे जो उसकी विचारधारा व योजनाएं आम जनता तक पहुंचा सके।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार को जयपुर में

जयपुर, 4 दिसम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में कांग्रेस विधायक दल की बैठक मंगलवार को 11:00 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा गांधी भवन में बुलाई गई है। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक कोन होंगे, क्या परिणाम के दिन आए केंद्रीय पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री और मुकुल वासनिक सहित भूपेंद्र सिंह हुड्डा ही पर्यवेक्षक होंगे या कोई और इस बारे में सूचना नहीं दी गई है।

कांग्रेस विधायक दल की बैठक से ठीक 1 दिन पहले अपने निर्वाचन क्षेत्र टोंक पहुंचे सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के ओएसडी लोकेश शर्मा की ओर से दिए हुए बयान को लेकर कहा कि यह काफी गंभीर मामला है। क्योंकि मुख्यमंत्री के ओएसडी ने ऐसा कहा है तो पार्टी के नेतृत्व को यह देखना चाहिए कि यह क्या मामला है। झूठ है या सच है, इस मामले में चर्चा की जानी चाहिए इसी के साथ पायलट ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें लेकर पार्टी क्या सोचती है। क्या जिम्मेदारी देती है, वह हर जिम्मेदारी के लिए तैयार है। पायलट ने कहा कि पहले भी पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी थी, वह निभाई है और आगे भी निभाएंगे। इसी के साथ राजस्थान में पार्टी की हार को लेकर उन्होंने कहा कि जयपुर और दिल्ली दोनों जगह इस बारे में मंथन होगा।

राजस्थान में अनूठे प्रयोग कर सकती है भाजपा

जैसे उत्तराखंड में हारे हुए पुष्कर सिंह धामी को मु.मंत्री और केशव प्रसाद मोर्य को यू.पी. में उपमुख्यमंत्री बनाया गया था

जयपुर, 4 दिसम्बर (का.प्र.)।

भाजपा को प्रदेश में स्पष्ट बहुमत मिल गया है और प्रदेश नेता अपने स्तर पर जोड़-तोड़ कर रहे हैं। चर्चा है कि लोकसभा चुनाव को देखते हुए पार्टी हाईकमान अनूठा प्रयोग करते हुए पराजित नेताओं को भी बड़ी जिम्मेदारी दे सकता है, जैसे यूपी में केशव प्रसाद मोर्य को हारने के बाद भी उप मुख्यमंत्री बनाया गया था। उत्तराखंड में चुनाव हारने के बाद भी पुष्कर सिंह धामी को मुख्यमंत्री बनाया गया था। चूंकि, जातिगत समीकरण साधने के लिए ये प्रयोग पहले भी हो चुके हैं।

राजस्थान में भी करीब दो दर्जन सीटों पर सतीश पुनिया ने चुनाव प्रचार भी किया था। जहां पर भाजपा को जीत मिली है। राजस्थान, हरियाणा, यूपी, दिल्ली में जाट और किसान को साधने के लिए संघ पृष्ठभूमि के सतीश पुनिया को जिम्मेदारी मिल सकती है, जो विद्यार्थी परिषद, युवा मोर्चा में सक्रिय

■ **तो क्या राजस्थान में भी भाजपा आलाकमान किसी हारे हुए नेता पर भरोसा जता सकता है।**

रहे और 40 साल से भाजपा संगठन में सक्रिय है। इस बार के चुनावों में जाट सीटों पर भाजपा को चुनौती मिली है। उसे साधने के लिए यह प्रयोग हो सकता है। यूपी की कई सीटों पर सतीश पुनिया ने प्रचार भी किया है। जहां पर पार्टी को फायदा भी हुआ है। राजस्थान में भाजपा के पास कोई बड़ा जाट और ओबीसी लीडर भी नहीं है। इसे लेकर अब प्रदेश और दिल्ली में सियासी समीकरण बनाये जा रहे हैं। मारवाड़ और मेवाड़ में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति में पुनिया मजबूत पकड़ है। उसका भी लाभ इस बार भाजपा को मिला है। राजधानी जयपुर जिले की आमरे विधान सभा सीट पर भाजपा के हार की कई कहानियां हैं। सतीश पुनिया को यहां पिछली बार 13 हजार वोट से अधिक मतों से जीत मिली थी, पर इस

बार उन्हें 9092 मतों से हार मिली है। यहां भाजपा में भारी भितरघात हुआ है। जिसका असर इस चुनाव पर पड़ा है। संघनिष्ठ सतीश पुनिया किसान, ओबीसी और जाट समुदाय से आते हैं। जिनकी राजस्थान से लेकर यूपी, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और राजस्थान से सटे उत्तरी गुजरात के किसान वर्ग और मारवाड़ियों में पकड़ होने के साथ एक मजबूत प्रभाव है। लो प्रोफाइल लीडर पुनिया के राजनीतिक भविष्य का नया अध्याय भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व तय कर सकता है। ऐसे में वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव हैं और देशभर के साथ उत्तर भारत की लोकसभा सीटें भी भाजपा के लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं, भाजपा केन्द्रीय नेतृत्व सतीश पुनिया को किस भूमिका में रखना चाहेगा, यह भविष्य के गर्भ में है ?

चुनाव नतीजों के कारण इंडिया गठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दम पर ही चुनाव लड़ने का फैसला किया जिससे मत विभाजित हुए और भाजपा को लाभ मिला। तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) प्रमुख ममता बनर्जी ने आज कहा कि सीट शेरिंग समझौता ना करने के कारण कांग्रेस की पराजय हुई। उन्होंने जोर देकर कहा कि "कांग्रेस" की हार जनता की हार नहीं है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी कांग्रेस की हार पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में क्षेत्रीय पार्टियां मजबूत हैं, वहां उन्हें भाजपा के खिलाफ संघर्ष का नेतृत्व करना चाहिए।

ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा में दिए एक संबोधन में कहा कि "कांग्रेस ने तेलंगाना में जीत दर्ज की है। वह मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में भी जीत सकती थी, लेकिन इण्डिया गठबंधन की सहयोगी पार्टियों के कुछ वोट कट गए। हमने सीट शेरिंग एग्रीमेंट मतों का विचारदाता होने की वजह से हारी।" उन्होंने कहा कि "विचारधारा के साथ-साथ आपकी कोई रणनीति भी होनी चाहिए और सीट शेरिंग को लेकर अगर कोई समझौता हो जाता है तो फिर भाजपा वर्ष 2014 में सत्ता में नहीं आएगी।" उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियों का गठबंधन

"इण्डिया" एकजुट होना काम करेगा और अगले वर्ष होने जा रहे लोकसभा चुनावों से पहले अपनी गलतियों में सुधार करेगा। हाल ही सम्पन्न विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और "इण्डिया" के घटक दलों ने कई सीटों पर अलग से चुनाव लड़ा था, शायद इसीलिए मतों के विभाजन का फायदा भाजपा को मिला।

मध्य प्रदेश में सीट शेरिंग को लेकर कांग्रेस की बात अखिलेश यादव की सपा से चल रही थी, लेकिन बातचीत विफल हो गई। मध्य प्रदेश में कांग्रेस को चुनाव कमान संभाल रहे कमलनाथ ने सीट शेरिंग के प्रश्न को एक बार तो यह कह कर खारिज कर दिया था कि "छोड़ो अखिलेश अखिलेश।" नाथ की इस टिप्पणी ने इण्डिया गठबंधन की वार्ताओं पर ताला लगा दिया। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता मनोज यादव काका ने कहा कि "कमलनाथ जी द्वारा अखिलेश जी के लिए प्रयुक्त किए गए अमर्यादित शब्दों के कारण ही कांग्रेस हारी।" चुनाव परिणामों के बारे में यादव ने कहा कि "यह एक लम्बी लड़ाई है। हमें भाजपा जैसी पार्टी को हराने के लिए बहुत तैयारी करनी होगी। हमें अनुशासन बनाए रखकर उनकी रणनीतियों का मुकाबला करना होगा।" "इण्डिया" गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि "हमें वहीं पहुंचना होगा, जहां से हमने शुरुआत की

थी। हमारी बात वहां से शुरू हुई थी कि हमें उन पार्टियों का सहयोग करना होगा जो अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत हैं। वर्ष 2024 के चुनाव ऐतिहासिक होंगे। बदलाव होगा।" कल जब कांग्रेस की आसन्न पराजय के रुझान आने शुरू हुए तब इण्डिया गठबंधन के घटक दलों ने विपक्ष की मुख्य पार्टी कांग्रेस की यह कहकर आलोचना शुरू कर दी थी कि उसने साथ मिलकर चुनाव नहीं लड़ा। जनता दल यूनाइटेड (जद-यू) के के.सी. त्यागी ने कहा कि "कांग्रेस ने इण्डिया गठबंधन की अन्य पार्टियों की अनदेखी की, लेकिन वह स्वयं भी अपने बल पर नहीं जीत पायी।" केरल क मुख्यमंत्री एच.डी. देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हिंदी भाषी राज्यों में भाजपा का मुकाबला करने के लिए साथ मिलकर संघर्ष करना जरूरी है। शिव सेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के नेता संजय राउत ने कहा कि कांग्रेस यदि इण्डिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के साथ कुछ सीटें शेयर कर देती तो मध्य प्रदेश का चुनाव परिणाम भिन्न रहा होगा। एक बड़ी विपक्षी पार्टी के एक सीनियर नेता ने मीडिया से कहा कि ऐसा लगता है इण्डिया गठबंधन में कोई बड़ी सौदेबाजी करने के लिए कांग्रेस चुनाव परिणामों की ही प्रतीक्षा कर रही थी।

LOVED IN 73 COUNTRIES

बेमिसाल थ्रिल

बेजोड़ कीमत

पल्सर रेंज कीमत की शुरुआत **₹ 80,416** से

अब तक के सबसे बेस्ट 125 ccs की सवारी के लिए हो जाएं तैयार. पॉपिन' नियॉन 125, आकर्षक कार्बन फ़ायबर 125 और बिना शक अपने वर्ग में पहला NS125 के रोमांच के साथ भरिए तेज़ी. आइए पल्सर परिवार में आपका स्वागत है!

NS125 शुरुआत **₹ 103,046** से

125 कार्बन फ़ायबर शुरुआत **₹ 90,016** से

125 नियॉन शुरुआत **₹ 80,416** से

pulsar
DEFINITELY MALE

72198 21111 | BAJAJ FINANCE LTD - AF | BAJAJ SECURE

नियम और शर्तें लागू * शुरुआती कीमत पल्सर 125 नियॉन, पल्सर 125 कार्बन फ़ायबर और NS125 वैरिएंट के लिए है. फ़ायनान्स, फ़ायनान्स के र्व-निर्णय के अधीन. बजाज ऑटो के पास बिना पूर्व सूचना के किसी भी ऑफ़र या सभी ऑफ़र को रद्द करने का अधिकार सुरक्षित है. स्टैंड्स, एक्सप्रेस ड्राइव प्रोफ़ेशनल सुपरविजन के तहत, आम जनता या आम रास्तों से हट कर नियंत्रित और बंद सीमित वातावरण में किए गए हैं. कृपया इन स्टैंड्स की नकल करने का प्रयास न करें और हर समय टैफ़िक तथा सुरक्षा नियमों का पालन करें. एमसी विशेष मॉडल्स और विशेष राज्यों में ही उपलब्ध है. अधिक जानकारी के लिए बजाज डीलर से संपर्क करें. रोड साइड सहायता अन्य पक्षों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है और वह उनके नियम और शर्तों के अधीन होती है.

Authorised Dealers for Bajaj Auto Ltd.: Udaipur: Paras Chouraha RAJMANDIR BAJAJ 8290282280 • Raajsamand: S N BAJAJ 9116160519 • Banswara: BHARAT BAJAJ 9414101901 • Dungarpur RAJMANDIR BAJAJ 9413529926 • Pratapgarh: SHREE KRISHNA BAJAJ 9251248002 • Chittorgarh SURENDRA BAJAJ 9413315832. Authorised Service Centre: Vallabhnagar 9413849311 • Fatehnagar 9829135362 • Kanod 9829370102 • Gogunda 9414546017 • Dabok 9214046932 • Kherwara 9460944433 • Bhinder 9460910001 • Kurabad 7742174813 • Kheroda 978560094 • Rishabhdeo 9680580885 • Parsad 7976055476 • Intalikhara 7568299096 • Nathdwara 9680650001 • Raitmagra 9892747084 • Simalwara 9784372833 • Sagwara 9950057029 • Sabla 9414567878 • Peeth 9610006325 • Bhilluda 9413487481 • Punali 9928628473 • Chitri 9413112092, 9784509915 • Bichhiwara 9571293633, 7728880228 • Garhi-Partapur 9660022006, 9784495458 • Athwara 9829475093 • Chota Dunga 8306176690 • Sajjangarh 9610270469 • Bagidora 8875523035 • Ganoda 7742912525 • Chhoti Sadri 9928071505 • Dhariyawad 9784184003 • Parsola 9001569457 • Begun 9413867805 • Nimbahera 7737544598 • Dungle 9460363215 • Kapasan 9414645003 • Badli Sadri 9571762113 • Akola 8769120835.

राष्ट्रदूत हिन्दू संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाइंट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आर्य, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स: 0141-2373513 कोटा कार्यालय: पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स: 0744-2386033 बीकानेर कार्यालय: कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्या, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चूंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स: 0145-2624665 जालौर कार्यालय: - जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालौर। फोन 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोलसिटी कार्यालय: - जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डोलसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908